विद्यार्थियों और परिवारों के लिए साइबर सुरक्षा

विद्यार्थियों, अभिभावकों और बुज़ुर्गों के लिए रोज़मर्रा की डिजिटल सुरक्षा - ऑनलाइन बुलिंग और गेमिंग के जोखिम सहित।

ऑनलाइन ठगी में पैसे गए? तुरंत 1930 पर कॉल करें और cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करें।

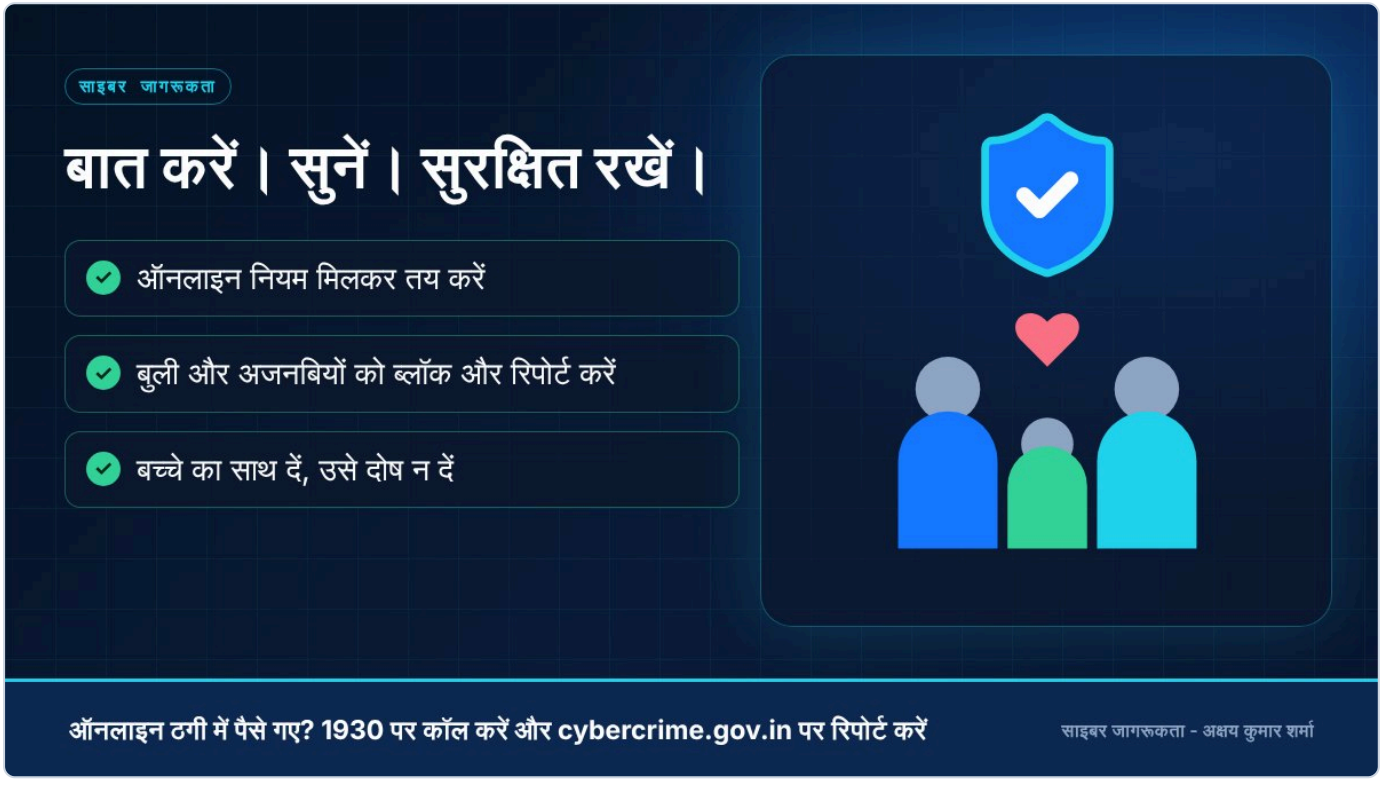
यह क्या है

विद्यार्थी और परिवार पढ़ाई, गेमिंग, भुगतान और सामाजिक जीवन के लिए ऑनलाइन रहते हैं। जोखिमों में ऑनलाइन बुलिंग, स्कॉलरशिप या पार्ट-टाइम नौकरी के नाम पर ठगी, अजनबियों का असुरक्षित संपर्क, ज़्यादा जानकारी साझा करना और कमज़ोर अकाउंट सुरक्षा शामिल हैं। घर में खुलकर बात करना सबसे बड़ी सुरक्षा है।

यह कैसे काम करता है - और आप इसे कहाँ रोक सकते हैं

लाल बॉक्स ठग की चाल दिखाते हैं। हरे बॉक्स बताते हैं कि आप कड़ी को कहाँ तोड़ सकते हैं।

1	2	3	4
बच्चा या विद्यार्थी ऑनलाइन जाता है: गेम, सोशल मीडिया, चैट	कोई अजनबी, बुली या ठग संपर्क करता है	बच्चा जानकारी या फ़ोटो साझा करता है, या अजनबी पर भरोसा करता है	नुकसान होता है: ठगी, बुलिंग, उत्पीड़न या ब्लैकमेल
यहीं रोकें: खुलकर बात करें। मिलकर नियम तय करें और प्राइवेसी कंट्रोल लगाएँ।	**यहीं रोकें:** ब्लॉक करें और रिपोर्ट करें। सबूत के लिए स्क्रीनशॉट रखें।	**यहीं रोकें:** OTP, पासवर्ड या निजी फ़ोटो कभी साझा न करें। किसी भरोसेमंद बड़े को बताएँ।	**यहीं रोकें:** cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करें। बच्चे का साथ दें, उसे दोष न दें।



आम चेतावनी के संकेत

- ⚠ संदेशों के बाद बच्चा या विद्यार्थी चुप-चुप, चिंतित रहे या डिवाइस से बचे।
- ⚠ अजनबी का फ़ोटो, निजी जानकारी माँगना या दूसरे ऐप पर चलने को कहना।
- ⚠ 'स्कॉलरशिप', 'मुफ़्त गिफ़्ट' या 'नौकरी' के ऑफ़र जो फ़ीस या बैंक जानकारी माँगें।
- ⚠ परिवार की जानकारी के बिना गेमिंग या इन-ऐप खरीदारी।
- ⚠ बुज़ुर्गों को इनाम, KYC या मुसीबत में फँसे रिश्तेदार के बारे में कॉल आना।

बचाव के व्यावहारिक सुझाव

- 🛡 खुलकर बात करें और भरोसा दिलाएँ कि कुछ गलत लगे तो बिना डाँट के डर के कोई भी आपके पास आ सकता है।
- 🛡 मज़बूत पासवर्ड, टू-फ़ैक्टर ऑथेंटिकेशन और बच्चे की उम्र के अनुसार पैरेंटल या प्राइवेसी कंट्रोल इस्तेमाल करें।
- 🛡 बुनियादी बातें सिखाएँ: OTP साझा न करें, अनजान लिंक न खोलें, ऑनलाइन संपर्क से अकेले न मिलें।
- 🛡 डिवाइस और ऐप अपडेट रखें और बच्चों के अकाउंट पर भुगतान के विकल्प सीमित रखें।
- 🛡 बुज़ुर्गों के लिए पेमेंट अलर्ट चालू करवाएँ और असामान्य भुगतान से पहले परिवार से पूछने की आदत डालें।

जोखिम भरी आदत बनाम सुरक्षित आदत

जोखिम भरा	सुरक्षित
✕ समस्या बताने पर बच्चे को डाँटना	✓ शांत रहकर सुनना और साथ देना
✕ दोस्तों को पासवर्ड बताना	✓ सिर्फ़ माता-पिता या अभिभावक को बताना
✕ ऑनलाइन गेम में अजनबियों से चैट करना	✓ उन दोस्तों के साथ खेलना जिन्हें आप असल में जानते हैं
✕ डर या शर्म से साइबरबुलिंग छिपाना	✓ सबूत रखना, ब्लॉक करना और रिपोर्ट करना

ऐसा हो जाए तो क्या करें

1. शांत रहें और संबंधित व्यक्ति का साथ दें। उन्हें दोष न दें।
2. स्क्रीनशॉट और संदेश सबूत के रूप में रखें, फिर प्लेटफ़ॉर्म पर अकाउंट ब्लॉक और रिपोर्ट करें।
3. गंभीर उत्पीड़न या ठगी की रिपोर्ट cybercrime.gov.in पर करें और वित्तीय ठगी के लिए 1930 पर कॉल करें।
4. यदि मामला सहपाठियों से जुड़ा है तो स्कूल या कॉलेज को शामिल करें।

आधिकारिक रिपोर्टिंग संसाधन

- राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (cybercrime.gov.in) - https://cybercrime.gov.in/
- साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 (वित्तीय साइबर ठगी के लिए) - 1930
- CERT-In (भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल) - https://www.cert-in.org.in/

अपना बैंकिंग पासवर्ड, OTP, UPI PIN, कार्ड CVV या पूरा कार्ड नंबर किसी को भी न बताएँ - चाहे वह खुद को बैंक, पुलिस या सरकारी कार्यालय का बताए। यह वेबसाइट कभी भी ये जानकारी नहीं माँगेगी।

यह वेबसाइट केवल शैक्षिक जानकारी के लिए है। यह कोई सरकारी रिपोर्टिंग पोर्टल या आपातकालीन सेवा नहीं है। यदि आप साइबर ठगी का शिकार हुए हैं, तो हर पेज पर दिए गए आधिकारिक माध्यमों से रिपोर्ट करें।
Akshay Kumar Sharma - https://www.youtube.com/@cybersecwithakshay